

## अध्याय : 6 सजीव एवं उनका परिवेश

---

- **उद्दीपन** हम आस-पास होने वाले परिवर्तनों के प्रति अनुक्रिया करते हैं वातावरण में होने वाले परिवर्तनों को उद्दीपन कहते हैं।
- **उत्सर्जन** :- शरीर का अपशिष्ट पदार्थ सजीवों द्वारा निष्कासन के प्रक्रम को उत्सर्जन कहते हैं।
- **आवास** :- किसी सजीव का वह परिवेश जिसमें वह रहता है , उसका आवास कहलाता है।
- **अनुकूलन** :- जिन विशिष्ट संरचनाओं अथवा स्वभाव की उपस्थिति किसी पौधे अथवा जंतु को उसके परिवेश में रहने के योग्य बनाती है , अनुकूलन कहलाता है।
- **स्थलीय आवास** :- स्थल ( जमीन ) पर पाए जाने वाले पौधों एवं जंतुओं के आवास को स्थलीय आवास कहते हैं।  
उदाहरण :- वन , घास के मैदान , मरुस्थल , तटीय एवं पर्वतीय क्षेत्र आदि।
- **जलीय आवास** :- जलाशय , दलदल , झील , नदियाँ , एवं समुद्र , जहाँ पौधे एवं जंतु जल में रहते हैं , जलीय आवास कहलाता है।
- **जैव घटक** :- पारिस्थितिकी तंत्र के सजीव घटकों को जैव घटक कहते हैं। इसमें पेड़-पौधे तथा जन्तु होते हैं।
- **अजैव घटक** :- किसी पारिस्थितिक तंत्र में पाए जाने वाले सभी निर्जीव पदार्थ उसके अजैवक घटक हैं।  
जैसे :- चट्टान , मिट्टी , वायु एवं जल आदि।
- सूर्य का प्रकाश एवं ऊष्मा भी परिवेश के अजैव घटक हैं।
- **अंकुरण** :- बीज से नए पौधे का प्रारंभ है , जब बीज से अंकुरण निकल आता है तो इस प्रक्रिया को अंकुरण कहते हैं।
- **प्रजनन** :- जीव-जंतु प्रजनन द्वारा अपने समान संतान उत्पन्न करते हैं।
- कुछ जंतु अंडे देते हैं।
- कुछ जंतु शिशु को जन्म देते हैं।
- **गति** :- सभी सजीव एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाते हैं तथा उनके शरीर में अन्य प्रकार की गति भी करते हैं।
- **भोजन** :- भोजन सजीवों को उनकी वृद्धि के लिए आवश्यक ऊर्जा प्रदान करता है।
- **वृद्धि** :- जंतुओं के बच्चे भी वृद्धि कर बड़े हो जाते हैं।
- **श्वसन क्रिया** :- हम वायु से ऑक्सीजन लेते हैं और कार्बनडाइऑक्साइड को श्वास द्वारा बाहर निकल देते हैं।
-

- श्वसन सभी सजीवों के लिए आवश्यक है।
- केंचुआ त्वचा द्वारा साँस लेता है।
- मछली गिल द्वारा साँस लेते है।
- पौधे पत्तियाँ सूक्ष्म रन्ध्रों द्वारा वायु को अंदर लेती है।

सजीव में श्वसन , उत्सर्जन , उद्दिपन के प्रति अनुक्रिया , प्रजनन , गति एवं वृद्धि , तथा मृत्यु होती हैं।

अल्प अवधि में किसी एक जीव के शरीर में होने वाले ये छोटे-छोटे परिवर्तन पर्यनुकूलन कहलाते हैं।

evidyarthi